डिफेन्स कॉरिडोर में निवेश करने को उद्यमियों में होड़

- लॉरेन्स डिफेन्स प्राइवेट लिमिटेड बनाएगी सेना के लिए रिवॉल्वर और पिस्टल

झाँसी : गरौठा तहसील क्षेत्र में आकार ले रहे डिफेन्स कॉरिडोर के झाँसी नोड को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की कवायद प्रारम्भ हो गयी है। इससे दिल्ली, नोएडा और देश के अन्य हिस्सों से आने वाले निवेशकों को यहाँ पहुँचना आसान हो जाएगा। सेना के टैंक ऑयल फिल्टरेशन यूनिट लगाने की तैयारी के साथ अन्य निवेशकों ने भी यहाँ निवेश करने की इच्छा जतायी है।

एरच से सटे गाँवों में बनाए जा रहे 'जनरल बिपिन रावत डिफेन्स कॉरिडोर' में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गयी है और एरच पावर हाउस से नई लाइन जोड़ दी गयी है। इधर, एक और कम्पनि लॉरेन्स डिफेन्स प्राइवेट लिमिटेड ने सेना के लिए पिस्टल और रिवॉल्वर बनाने के लिए 42 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसे लीज पर जमीन दी गयी है। इसी तरह भारत डायनामिक्स लिमिटेड को भी रक्षा उपकरण बनाने के लिए जमीन आवण्टित कर दी गयी है। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की डब्लूटीएफ एंजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को 1.076 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध करा दी गयी, जहाँ सेना के टैंक और जहाज के लिए ऑयल फिल्टरेशन यूनिट लगायी जाएगी। बताया जा रहा है कि इसी साल के अन्त तक कम्पनि निर्माण कार्य प्रारम्भ कर देगी। उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी ने बताया कि लगभग एक दर्जन और निवेशकों ने डिफेन्स कॉरिडोर में निवेश करने की इच्छा जतायी है, लेकिन अभी यूपीईडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे इण्डस्ट्रियल डिवेलपमेण्ट अथॉरिटि) के साथ एमओयू (मेमोरेण्डम ऑफ अण्डर

स्टेण्डिंग) नहीं हुए हैं। विभाग के पास पर्याप्त जमीन है। करार होते ही आवश्यक भूमि निवेशकों को उपलब्ध करा दी जाएगी।